

रतलाम में इमरान ने सोनू बनकर किया रेप, युवती को पति से अलग कराया, फिर लिव-इन में रखकर शोषण; ड्रग तस्करी में जा चुका जेल

रतलाम (नप्र)। रतलाम में नाम बदलकर युवती से दोस्ती और फिर शादी का झांसा देकर रेप का मामला सामने आया है। आरोपी इमरान ने खुद को सोनू बताकर युवती को फंसाया। उसने पहले महिला को उसके पति से अलग करवाया, फिर लिव-इन में रखकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। आरोपी पूर्व में एमडी ड्रग्स की तस्करी में भी पकड़ा जा चुका है और बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा का पदाधिकारी रह चुका है।

मोबाइल चेक किया तो पता चला मुस्लिम है - औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने पीड़ित युवती की शिकायत पर आरोपी इमरान (पिता मैमुद हुसैन) निवासी शहर सराय के खिलाफ केस दर्ज किया है।



सोनू बनकर मिला- पीड़िता ने बताया कि 2020 में राम मंदिर क्षेत्र में उसकी पहचान युवक से हुई थी, जिसने अपना नाम सोनू (हिंदू) बताया था। बाद में युवती की शादी कहीं और हो गई।

पति को छुड़वाया- जून 2023 में इमरान ने युवती से दोबारा संपर्क किया

और उसे पति को छोड़ने के लिए उकसाया। उसकी बातों में आकर जुलाई 2023 में युवती पति को छोड़कर मायके आ गई।

लिव-इन में रखा- 14 सितंबर 2023 से दोनों नयागांव (साक्षी पेट्रोल पंप के पास) और बाद में आनंद कॉलोनी में पति-पत्नी की तरह किए गए से रहने लगे। इस दौरान युवती ने उसका मोबाइल चेक किया, तब पता चला कि वह सोनू नहीं, बल्कि इमरान है।

तलाक होते ही शादी से पलटा, जान से मारने की धमकी - पीड़िता का 8 नवंबर 2024 को पति से तलाक हो गया। जब उसने इमरान से शादी करने को कहा, तो वह मुकर गया। उसने युवती को पत्नी की तरह रखकर लगातार संबंध बनाए। 26 दिसंबर 2025 को जब

युवती ने विरोध किया, तो इमरान ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी पर बीएनएस की धारा 64(1), 64(2)(एम) व 351(3) के तहत केस दर्ज किया है।

2 महीने पहले एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ाया था - आरोपी इमरान आदतन अपराधी है। 2 महीने पहले ही स्टेशन रोड थाना पुलिस ने उसे और उसके साथी कयामुद्दीन को 3.7 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था।

वह बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष भी रह चुका है, हालांकि बाद में उसे पद से हटा दिया गया था। ड्रग्स मामले में वह फिलहाल जमानत पर बाहर है। अब पुलिस रेप केस में उसकी तलाश कर रही है।

महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चोरी करता, फिर पहनकर सोता

भागते समय आरोपी का श्रमिक कार्ड घर में गिरा, उसमें लिखे नाम से पकड़ा आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल की कोलार पुलिस ने एक अजीबोगरीब चोर को पकड़ा है। आरोपी महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चोरी करता, फिर खुद पहनकर घूमता था। मंगलवार रात वह अमरनाथ कॉलोनी में रहने वाले एक डेरी संचालक के घर घुसा और बालकनी से महिलाओं के अंडरगारमेंट्स चुरा लिए। डेरी संचालक के मुताबिक, रात करीब 12:30 बजे बालकनी में परछाई दिखी। गेट खोलकर ललकारने पर आरोपी अंडर गारमेंट्स लेकर भाग गया, लेकिन भागते समय उसका श्रमिक कार्ड घर में गिर गया, जिस पर नाम दीपेश लिखा था। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने बुधवार दोपहर आरोपी को उसके घर से पकड़ लिया। पुलिस की दबिश के दौरान आरोपी सो रहा था और चोरी किए गए



अंडरगारमेंट्स उसने पहन रखे थे। इसका वीडियो भी सामने आया है।

पीड़ित ने बताया कि आरोपी ने इससे पहले मंदाकिनी कॉलोनी के एक अन्य घर में भी चोरी

की थी। भागते समय वहां से चुराए गए अंडरगारमेंट्स उनके घर में छूट गए, जिन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है। **आरोपी में फेटिशिज्म और वैंडलिज्म जैसी मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियां -** जेपी अस्पताल के क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. राहुल शर्मा के अनुसार, आरोपी में फेटिशिज्म और वैंडलिज्म जैसी मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियां हो सकती हैं। ऐसे व्यवहार के पीछे महिलाओं के प्रति आक्रोश या नकारात्मक भावनाएं भी कारण हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में मनोवैज्ञानिक इलाज और काउंसलिंग जरूरी है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

नए साल के जश्न से पहले 150 किलो विस्फोटक पकड़ा

- राजस्थान में यूरिया खाद की बोřियों में छुपा रखा था ओमनियम नाइट्रेट

टोंक (एजेंसी)। राजस्थान के टोंक में कार से 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) ले जा रहे 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि ये अमोनियम नाइट्रेट टोंक में ही सलाई होना था। मामला बरौनी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 स्थित चिरीज गांव का है। कार सवार लोगों ने यूरिया खाद के कट्टों में इस विस्फोटक को छुपा कर रखा था, ताकि पकड़ में नहीं आ सके। डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया-



ये अमोनियम नाइट्रेट किसी भी विस्फोट की घटना को अंजाम देने में काफी है। इसकी जांच की जा रही है कि इन लोगों ने विस्फोटक कहाँ से, किससे खरीदा था और किसे सप्लाई करने वाले थे। डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया- हाईवे पर नाकाबंदी थी। सुबह 9 बजे बूंदी से टोंक की तरफ एक सियाज कार जा रही थी। इसमें यूरिया खाद के कट्टे भर रखे थे। टीम को कार सवार संधिध लगे तो इसका पीछा किया। इस पर कार सवार सुरेंद्र (48) और सुरेंद्र मोची (33) निवासी करवर (बूंदी) हाईवे से चिरीज गांव की तरफ भागने लगे। टीम ने पीछा कर पकड़ा।

ससुर ने नहीं दिया खर्चा तो बहू ने दी मौत

खटिया के पाए से किया हमला, लाश छुपाकर मिटाए खून के निशान

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा जिले के लावाघोरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक हत्याकांड की आरोपी बहू निकली है। हैरानी की बात यह रही कि आरोपी बहू वारदात के बाद ससुर के शव के पास रोती-बिलखती नजर आई, ताकि किसी को उस पर शक न हो। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

हनुमान मंदिर के पास मिला था शव -यह मामला 28 दिसंबर 2025 का है। ग्राम लावाघोरी के रहने वाले जितेंद्र आर्मे ने थाना पहुंचकर पुलिस को बताया कि उनके पिता कृष्णराव आर्मे (उम्र 65 वर्ष) का शव घर के पास पड़ा हुआ है।

शव उनके कच्चे मकान और वन विभाग की दीवार के बीच बनी एक संकरी गली में मिला। जितेंद्र ने बताया कि पिता के मुंह और नाक से खून निकल रहा था, जिससे मौत संदिग्ध लग रही थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी आफताब खान पुलिस बल और जांच किट के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी।

फारसिक जांच से खुला राज - मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अजय पांडे और एसपी आशीष खरे ने मौके पर एफएसएल टीम, डॉग स्कॉड और फिंगरप्रिंट

एक्सपर्ट को भेजा। जांच में मिले सबूतों के आधार पर पुलिस ने पुष्टि की कि अज्ञात व्यक्ति ने बोथले हथियार से सिर और शरीर पर गंभीर चोटें पहुंचाकर बुजुर्ग की हत्या की थी। इसके बाद थाना लावाघोरी में अपराध क्रमिक 170/25, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

पैसें के विवाद में बहू ने की हत्या - एएसपी आशीष खरे ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों से गहन पूछताछ की। जांच में सामने आया कि 27 दिसंबर की रात कृष्णराव खाना खाकर अपने पुराने कच्चे मकान में सोने जा रहे थे।

खालिदा जिया के अंतिम विदाई में शामिल होने पहुंचे जयशंकर

पति की कब्र के पास दफनाया , जनाजे में 10 लाख लोग पहुंचे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की नमाज-ए-गया। उनके जनाजे में शामिल होने के लिए देशभर से 10 लाख लोग जुटे। खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 80 साल की उम्र में निधन हुआ। वह पिछले करीब 20 दिनों से अस्पताल में वेंटीलेटर पर थीं। उनके निधन पर बांग्लादेश सरकार ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। इस दौरान पूरे देश में सरकारी इमारतों पर उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति



जियाउर रहमान की कब्र के पास दफनाया गया। उनके जनाजे में शामिल होने के लिए देशभर से 10 लाख लोग जुटे। खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 80 साल की उम्र में निधन हुआ। वह पिछले करीब 20 दिनों से अस्पताल में वेंटीलेटर पर थीं। उनके निधन पर बांग्लादेश सरकार ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। इस दौरान पूरे देश में सरकारी इमारतों पर उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति

ठंड का कहर, कांप रहे गांव और शहर

● एमपी में टेम्परेचर 1.7 डिग्री, छत्तीसगढ़ में ओस जमी ● जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। इसका असर मैदानी राज्यों पर नजर आ रहा है। जम्मू-कश्मीर की सोनमर्ग टनल के पास तेज बर्फबारी हुई। हिमाचल में के लाहौल स्पीति में 30 दिसंबर की शाम से बर्फबारी जारी है। यहां तापमान -10 डिग्री तक जा सकता है। मध्य प्रदेश में शहडोल के कल्याणपुर में तापमान 1.7 डिग्री रहा। छत्तीसगढ़ के मैनपाट में रात का तापमान 2 डिग्री पहुंचा। अंबिकापुर, गौरेला-

पेंझा-मरवाही में ओस जम गई। 4 सभाग कोल्ड वेव की चपेट में हैं। राजस्थान में कड़क की सर्दी के



बीच 2 दिन बारिश की भी चेतवनी है।

दिल्ली-पनसीआर में बुधवार की सुबह घनी धुंध के साथ हुई।



दिल्ली के कई इलाकों में विजिबिलिटी शून्य रही। एयरपोर्ट पर आज 148 फ्लाइट कैसिल की गई हैं। 150 फ्लाइट देरी से ऑपरेट हो रही हैं। एयरपोर्ट ने

यात्रियों को एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया कि नियम लागू किया गया है। फ्लाइट्स में देरी हो सकती है। फ्लाइट कैसिल भी हो सकती हैं।

गणतंत्र दिवस पर सेना की पशु टुकड़ी भी करेगी परेड

● बैक्टिरियन ऊंट, जांस्कर टट्टू, रैटर्स और डॉग करेंगे मार्च ● दुर्गम इलाकों में सैनिकों के हैं मददगार, बड़ी है भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस 2026 की परेड में इस बार सेना की पशु टुकड़ी भी मार्च करेगी। इसके लिए पहली बार सेना की रीमाउंट एंड वेटरनरी कॉर्प्स की टुकड़ी को विशेष रूप से चुना गया है। इसका उद्देश्य देश की सबसे कठिन सीमाओं की रक्षा में पशुओं की महत्वपूर्ण भूमिका को सामने लाना है। इस टुकड़ी में दो बैक्टिरियन ऊंट, चार जांस्कर टट्टू (पोनी), चार शिकारी पक्षी (रैटर्स), भारतीय नस्ल के 10 सेना के कुत्ते, तथा वर्तमान में सेवा में तैनात छह पारंपरिक सैन्य कुत्ते शामिल होंगे। ये सभी मिलकर भारतीय सेना के



संचालन तंत्र में परंपरा, नवाचार और आत्मनिर्भरता का संगम प्रस्तुत करेंगे। टुकड़ी का नेतृत्व मजबूत बैक्टिरियन

ऊंट करेंगे। इन्हें हाल ही में लद्दाख के ठंडे इलाकों के ऑपरेशंस के लिए शामिल किया गया है। अत्यधिक ठंड, कम ऑक्सीजन और 15,000 फीट से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूल ये ऊंट 250 किलोग्राम तक भार उठा सकते हैं और कम पानी व चारे में लंबी दूरी तय कर सकते हैं। इनके शामिल होने से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर रैतीले और खड़ी ढलानों वाले इलाकों में रस्द सहायता और गश्त की क्षमता में बढ़ोतरी हुई है। मार्च में जांस्कर टट्टू भी होंगे जो लद्दाख की दुर्लभ प्रजाति है।

जम्मू-कश्मीर में 2025 में 46 आतंकी मारे, 3 जवान शहीद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में साल 2025 में सुरक्षाबलों ने 35 घटनाओं में 46 आतंकीयों को मार गिराया। इनमें पहलगाम हमले में शामिल आतंकी सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा, हमजा अफगानी और जिब्रान भी शामिल हैं। उनका एनाकांटर 28 जुलाई को किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक इस साल 3 जवान शहीद हुए। फरवरी में अखनूर सेक्टर में आईडी ब्लास्ट हुआ, 2 जवान शहीद हुए। अप्रैल में उधमपुर के बसंतद्व में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

एक जवान शहीद हुआ था। कश्मीर फ्रंटियर ने बताया कि बॉर्डर पर घुसपैठ की 4 बार कोशिश हुई। इनमें 13 आतंकी शामिल रहे, इनमें से 8 आतंकी मारे गए। 5 आतंकी खदेड़े गए। इस साल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ। 22 अप्रैल को पहलगाम में 25 टुरिस्ट्स और एक लोकल की आतंकीयों ने जान ली थी। इसके जवाब में भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

शादी के लिए फायनेंसकर्मी युवती से मारपीट

इंदौर। फायनेंस कंपनी में कार्यरत युवती पर उसके पूर्व पड़ोसी ने शादी का दबाव बनाया। जब युवती ने इनकार किया तो उसके साथ मारपीट की। घटना की जानकारी युवती ने हिंदूवादी संगठन को दी। संगठन पीड़िता को लेकर बाणगंगा थाने पहुंचे और आरोपी तरुण के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। युवती ने बताया कि डेढ़ साल पहले उसकी शादी हुई है। आरोपी तरुण पूर्व में उनका पड़ोसी रहा है। इसलिए पहचान हो गई थी। सितंबर 2024 में तरुण मिला, तब उसने कहा था कि वह उसे पसंद करता है उससे शादी करना चाहता है। इस पर युवती ने शादी होने की बात कही थी। शनिवार को युवती अपने मायके आई तो उसे आरोपी ने देख लिया। इसके बाद सोमवार रात वह कंपनी से घर की तरफ आ रही थी। तब उसका पीछा करते हुए तरुण घर तक आ गया। उसने हाथ पकड़ा और कहा कि शादी का दबाव बनाने लगा। जब मैंने विरोध किया तो मारपीट की। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

खजराना गणेश मंदिर के लिए ट्रैफिक प्लान जारी

इंदौर। नववर्ष के अवसर पर खजराना गणेश मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस द्वारा विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है। यह व्यवस्था 1 जनवरी को लागू रहेगी, ताकि आमजन को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। जारी यातायात योजना के अनुसार, खजराना गणेश मंदिर जाने वाले वाहन चालक खजराना चौराहे से सर्विस रोड होते हुए सिद्ध विनायक हॉस्पिटल के पास से बाएं मुड़कर गणेशपुरी मेन रोड, गोयल विहार रैनबसेरा टी होते हुए मंदिर के एंट्री गेट से पार्किंग स्थल तक पहुंच सकेंगे। दर्शन के बाद श्रद्धालु मंदिर पार्किंग से कालका माता मंदिर गेट से बाएं मुड़कर गणेश मंदिर तिराहा, पीपल चौराहा होते हुए पुनः खजराना चौराहा पहुंच सकेंगे। खजराना गांव जाने वाले वाहन चालक खजराना चौराहे से गोया रोड का उपयोग कर सकेंगे। वहीं खजराना चौराहे की ओर आने वाले वाहन जमजम तिराहा एवं मन्नत जनरल स्टोर के रास्ते गोया रोड से आवागमन करेंगे। यातायात पुलिस ने बताया कि बंगाली चौराहे से सिद्ध विनायक हॉस्पिटल की ओर सर्विस रोड पर वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही खजराना चौराहा, गोया रोड से स्टार चौराहा की ओर तथा पीपल चौराहे से खजराना की ओर सिटी बसों का संचालन भी प्रतिबंधित किया गया है।

68 लाख की चोरी पकड़ने पर इनाम

इंदौर। तेजाजी नगर पुलिस ने आदिवासी गैंग के तीन सदस्यों को पकड़ा था। गैंग से साढ़े 68 लाख का माल बरामद किया गया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाले तीन पुलिसकर्मियों सहित 16 अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान किया गया। हैसला अफजाई करने के लिए पुलिस कमिश्नर ने नकद राशि और प्रशस्ति पत्र दिया। कार्यवाहक प्रधान आरक्षक बलराम, आरक्षक देवेंद्र अम्ब, थाना राऊ और कार्यवाहक प्रधान आरक्षक अजय सिंह चौहान कार्यालय सहायक पुलिस आयुक्त गांधीनगर थाना राऊ में पंजीबद्ध अपराध में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। कार्यवाहक प्रधान आरक्षक देवेंद्र सिंह परिहार, आरक्षक दीपेंद्र राणा, आरक्षक प्रदीप रावत थाना तेजाजी नगर बांग टांडा गैंग के 3 बदमाशों को गिरफ्तार करने पर, प्रधान आरक्षक प्रदीप रावत, आरक्षक कृष्ण कुमार पटेल, आरक्षक भूपेंद्र राठौर थाना आजाद नगर हत्या का खुलासा करने पर, आरक्षक कृष्णचंद्र शर्मा, अनुराग सिंह सिकरवार, अरुण जाट थाना द्वारकापुरी और आरक्षक ऋषिकेश रावत, आरक्षक विश्वेंद्र जाट थाना अन्नपूर्णा चौकबाड़ी की घटना कर हत्या करने वाले 4 आरोपियों को पकड़ने, सहायक उप निरीक्षक दिलीप नगर थाना यातायात कोकालानी नगर क्षेत्र पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने पर पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार, आरक्षक रवि मंडेलिया थाना यातायात को आमवाला चौराहा पर चेकिंग पॉइंट पर मोबाइल चोर को पकड़ने पर सम्मानित किया गया।

चाकलेट कंपनी में आग, तीन मजिला इमारत गिरी

इंदौर। लसूडिया स्थित चाकलेट कंपनी केमको में मंगलवार को भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुआं दूर तक दिखाई दे रहा था। कर्मचारी आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे, इसी दौरान कंपनी की तीन मजिला इमारत भरभराकर गिर गई। मलबे से मशीनों सहित अन्य संसाधन नष्ट हो गए। आग पर काबू पाने फायर ब्रिगेड का अमत्ता पहुंचा था। इस दौरान दो दमकलकर्मी मामूली घायल हो गए। घटना दोपहर 12.45 बजे की है। कंपनी का मालिक संजय जैसवानी है। फायर ब्रिगेड के एसआई सुशील दुबे ने बताया कि आग के चलते किसी तरह की जनहानि तो नहीं हुई है। आग फैकट्री के पीछे के हिस्से में लगी थी। इस दौरान फैकट्री में काम कर रहे 3 कर्मचारी घायल हुए हैं। आग लगने की सूचना पर तत्काल गाड़ियों को रवाना किया गया। सात घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जिस बिल्डिंग में फैकट्री संचालित थी उसे दिवालीय घोषित किया जा चुका था। बिल्डिंग मालिक के अनुसार 35 करोड़ का नुकसान होना बताया जा रहा है, लेकिन इस कंपनी की बिल्डिंग का मामला कोर्ट में विचारधीन था। चाकलेट फैकट्री कुछ दिनों से बंद थी और इसमें अभी कोई काम नहीं होता था। आरोप है कि जिस बिल्डिंग में फैकट्री संचालित थी उसे दिवालीय घोषित किया जा चुका था।

3 लाख के मादक पदार्थ के साथ 2 पकड़ाए

इंदौर। नशाखोरी और नशे की तस्करी रोकने क्राइम ब्रांच की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को टीम ने करीब तीन लाख की एमडी ड्रम्स और ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को पकड़ा है। पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर जावहार मार्ग चौकी के पास नाले के किनारे से आरोपी फराज खान निवासी साइथतोड़ा को 11 ग्राम एमडी ड्रम्स और मोबाइल के साथ पकड़ा। जब्त मादक पदार्थ की कीमत डेढ़ लाख रुपए है। इसी प्रकार, पंचमुखी हनुमान मंदिर के पासएमआर-4 रोड से आरोपी दानिश शेख निवासी आजाद नगर को 10.15 ग्राम ब्राउन शुगर और मोबाइल (कीमत एक लाख 40 हजार रुपए) के साथ पकड़ा।

नई सरकारी बस सेवा का संचालन दोनों आईएसबीटी स्टेशनों से होगा

इंदौर। अगले साल अप्रैल से प्रदेश में शुरू होने वाली नई सरकारी बस सेवाओं के लिए तैयारियां तेज हो गईं। इसके लिए इंदौर में एआईसीटीएसएल (अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड) क्षेत्रीय सहायक कंपनी की तरह काम करेंगी। अहम बात यह कि कंपनी को चलाने के लिए उसकी संपत्ति, आय का मॉडल भी तैयार किया गया, ताकि कोई परेशानी न आए। 130 लोगों की टीम ने यहां काम शुरू कर रही है। योजना के मुताबिक, सरकार ने स्पष्ट किया कि ऐसी संपत्तियां, जिसमें स्थानीय निकाय या प्राधिकरणों का पैसा नहीं लगा है, वह इस कंपनी के स्वामित्व में रहेगी। प्राधिकरण के उपयोग की ऐसी संपत्तियां, जिनमें नगर निगम, प्राधिकरण ने राशि खर्च की है, उनका मूल्यांकन करके परिवहन विभाग संबंधित एजेंसी को राशि देगा। फिर इनकी आय होल्टिंग कंपनी के अधीन रहेगी। इसके तहत कंपनी डिपो, आधुनिक बस टर्मिनल व सब टर्मिनल का निर्माण भी करेगी। नए सिस्टम से इंदौर में दोनों आइएसबीटी (कुमेडी व नायता मुंडला) परिवहन विभाग के पास चले जाएंगे। इसके अलावा बस संचालन के लिए बाकी सरकारी बस स्टैंड को भी परिवहन विभाग अपने स्वामित्व में लेगा, लेकिन उसके लिए प्रक्रिया पूरी करना होगा। बस सेवा

साल 2025 : अपराध जघन्य अपराध में महिलाएं भी पुरुषों से पीछे नहीं रहीं, 7 हत्या की, पुरुषों के किस्से अलग

इंदौर। अब हत्या की जघन्य वारदातों में बदमाश ही नहीं, युवतियां और महिलाएं भी सामने आ रही हैं। यदि पूरे साल 2025 की तस्वीर देखें तो हत्या के आधा दर्जन से ज्यादा यानी 7 मामले ऐसे सामने आए, जिनमें महिलाओं और युवतियों की भूमिका ने सनसनी मचा दी। हत्याओं के पीछे कुछ रिश्तों से नाराज तो कुछ प्रताड़ना से नाराज थी। सिर्फ इतना ही नहीं, कुछ पति भी अपनी पत्नियों की हत्या के आरोपी बने। ट्रांसपोर्ट राजा रघुवंशी हत्याकांड सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। भले ही राजा की हत्या शिलांग में हुई, लेकिन उसकी साजिश पत्नी सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर इंदौर में रची थी। पुरुषों ने भी पत्नी, प्रेमी की हत्या की। शिलांग पुलिस ने घटना सिलसिलेवार जांच करके अपनी रिपोर्ट में साबित कर दिया कि राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश शायी से पहले ही सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज ने रची और तीन सुपारी किलर को हायर करके हनीमून पर शिलांग पहुंचे राजा की हत्या कर दी।

इन घटनाओं में आया नाम

- 20 मार्च की देर रात महालक्ष्मी नगर के फ्लैट में मेकअप आर्टिस्ट भावना सिंह (28) निवासी ग्वालियर गोली लगने से मौत हो गई थी। मामले में लसूडिया पुलिस ने आशु यादव, मुकुल यादव और युवती स्वास्तिका को गिरफ्तार किया था।
- 25 फरवरी भंवर्कुआ में मेकअप आर्टिस्ट उर्फ किशु सिसोदिया (19) निवासी तेजाजी नगर ने प्रेमी संस्कार पिता चमश्याम पटेलिया निवासी सागर की गला घोटकर हत्या कर दी थी। दोनों पिपल्या राव इलाके में किएए से रहते थे। वारदात के बाद कृष्णा खुद थाने पहुंच गई थी।
- 5 जून को निर्दयी मां वर्षा पति अविनाश निवासी प्रजापत नगर ने सात माह की मासूम बेटी मायरा को हैज में डुबोकर मार डाला था। गिरफ्तारी

इस साल ईओडब्ल्यू को मिली 84 शिकायत, 20 केस दर्ज, 3 में छापे 4 मामलों में ट्रैप की कार्रवाई, 8 में चालान पेश किया गया

इंदौर। बीते साल भी भ्रष्टाचार करने वाले सरकारी अफसरों और कर्मचारियों की कारागृहागिराया कम नहीं है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, बैंक फॉड, गबन और पद के दुरुपयोग से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई की। शिकायतों की जांच के बाद धोखाधड़ी, गबन, बैंक फॉड, पद के दुरुपयोग और राजस्व हानि पहुंचाने के मामलों में कई लोगों व कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए। साल भर के दौरान ईओडब्ल्यू को 84 शिकायतें मिली। इनमें 20 में आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए। ईओडब्ल्यू की जांच के बाद 8 मामलों में चालान पेश हुए। 3 में छापे मारे गए और 4 मामलों में ट्रैप की कार्रवाई कर रिश्तखोर अधिकारियों-कर्मचारियों को पकड़ा।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के एसपी रामेश्वर सिंह यादव के मुताबिक ईओडब्ल्यू ने अनुपातहीन संपत्ति के मामलों में तीन अधिकारियों के यहां छापे मारे। पद का दुरुपयोग करने, रिश्तत मांगने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिन अधिकारियों के यहां छापे मारे गए, उनके यहां 8 करोड़ की काली कमाई जब्त की गई। ईओडब्ल्यू ने आय से अधिक संपत्ति के मामलों में नंदकिशोर सोलंकी, प्रबंधक, सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, रिंगनोद (धार) के यहां छापे मारा। उसके यहां से



पत्नियों के हत्यारे बने पति

शहर में सबसे ज्यादा हत्या तात्कालिक विवाद और रंजिश की रही, लेकिन डेढ़ दर्जन मामलों में रिश्तों में खून-खराबा हुआ और बात कल तक जा पहुंची। कुछ मामले ऐसे सामने आए, जिनमें पत्नियों ने ही पत्नियों की हत्या कर दी। 4 अप्रैल को अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र की सिल्वर पैलेस कॉलोनी में ताराचंद खत्री (70) ने पारिवारिक कलह के चलते पत्नी सीमा खत्री (65) की कैंची से हत्या की और घर के तीसरे माले से कूदकर जान दे दी थी। 15 साल से बेरोजगार ताराचंद क्राइम पेट्रोले सीरियल देख-देखकर सनकी हो गया था। दिमागी संतुलन ठीक नहीं था। 15 दिन पहले से पत्नी को चाकू मारकर सुसाइड की बात कह रहा था।

- पर खुलासा हुआ कि उसके सास-ससुर से आए दिन विवाद होते थे। इसके चलते उसने गुस्से में अपनी मासूम बच्ची की जान ले ली। वर्षा इससे पहले भी बच्ची को हैज में डालकर हत्या का प्रयास कर चुकी है।
- 22जून को विजय नगर में बहू नेहा पति संदीप पटेल निवासी श्रीराम नगर ने पत्थर मारकर सास गोमती बाई पति कौशल प्रसाद की हत्या कर दी थी। ससुर पहुंचा तो हत्यारी बहू लाश का मिर धोने लगी थी। सास, बहू पर शंका करती थी इसे लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होते थे। इसके चलते उसने सास की हत्या की।

शहर में 3 नए थाने खुलेंगे, 5 थानों में बल बढ़ेगा, आपराधिक क्षेत्र चिन्हित

इंदौर पुलिस कमिश्नर ने साल भर की गतिविधियों का ब्यौरा रखा

इंदौर। पुलिस कमिश्नर ने बीते साल के अपराधों को लेकर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने गंभीर अपराधों और स्मार्ट पुलिसिंग को लेकर अपनी बात रखी। बताया गया कि शहर में जल्द ही पांच थानों में बल बढ़ाया जाएगा। तीन नए थानों को भी अनुमति मिलेगी। पलासिया पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने साल भर के अपराधों के आंकड़ों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने सोशल पुलिसिंग पर ज्यादा ध्यान देने की बात भी कही। उनका कहना था कि ट्रैफिक को लेकर जल्द ही शहर में बड़े प्लान लाए जाएंगे, लेकिन इसके पहले जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जो काफी बड़े स्तर पर होगा। उन्होंने बताया कि अब तक विभिन्न संस्थाओं की मदद से इंदौर पुलिस द्वारा शहर में 1100 हेलमेट का वितरण किया जा चुका है।

3 नए थाने बनेंगे, 5 में बल बढ़ेगा

पुलिस कमिश्नर ने शहर में बढ़ रहे अपराधों और थानों में बल की कमी को लेकर भी समीक्षा की। इसमें उन्होंने तिलक नगर, द्वारकापुरी सहित करीब 5 थानों में बल की कमी होने की बात कही और यहां जल्द ही बल बढ़ाने की बात कही। उन्होंने चंदन नगर, लसूडिया और बाणगंगा में तीन नए थाने शुरू करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए जल्द ही शासन से अनुमति मिलने वाली है, जो पहले से स्वीकृत है।

- 13 अगस्त को कनाड़िया गांव में रानी सोनगरा (28) की गोली मारकर हत्या हुई थी। पुलिस ने रानी के पति ईश्वर सोनगरा, उसकी दूसरी पत्नी तोषिका, शूटर मुजफ्फर खान और उनके दो साथियों को गिरफ्तार किया था।
- 15 अगस्त को नायता मुंडला में जन्मदिन के एक दिन पहले ही मां बिंजल ने अपनी दो वर्षीय बच्ची राधिका के रोने से नाराज होकर डंडे से पीटकर उसकी हत्या कर दी।

साथ नहीं चली तो मार डाला

21 जुलाई को हीरा नगर थाना क्षेत्र के सुखलिया में बहन के घर ठहरी जनकपुर कॉलोनी निवासी दीपू की, साथ नहीं चलने पर गुस्से में आकर पति कमलेश ने चाकू से गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। 1 अगस्त की रात निरंजनपुर निवासी रामबाबू करैले (60) ने मामूली बात को लेकर हुए झगड़ों में सो रही पत्नी पानबाई (55) को जिंदा जला दिया था। बवाने में पोती पलक झुलस गई थी। रामबाबू ने 5 अगस्त को ट्रेन से कटकर जान दे दी थी। 6 अगस्त को पानबाई और अगले दिन पोती पलक की भी मौत हो गई थी। 13 अगस्त को कनाड़िया गांव में रानी सोनगरा की गोली मारकर हत्या हुई। पुलिस ने पति ईश्वर, उसकी दूसरी पत्नी तोषिका, शूटर मुजफ्फर खान और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया। 24 दिसंबर की शाम लसूडिया थाना क्षेत्र में संगीता चौहान (45) निवासी निरंजनपुर की उसके झाड़वर पति रमेश ने सिर पर भारी वस्तु मारकर हत्या कर दी और भाग निकला। पति के अवैध संबंधों को लेकर आए दिन विवाद होते थे।

शहर में 3 नए थाने खुलेंगे, 5 थानों में बल बढ़ेगा, आपराधिक क्षेत्र चिन्हित

इंदौर पुलिस कमिश्नर ने साल भर की गतिविधियों का ब्यौरा रखा

इंदौर। पुलिस कमिश्नर ने बीते साल के अपराधों को लेकर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने गंभीर अपराधों और स्मार्ट पुलिसिंग को लेकर अपनी बात रखी। बताया गया कि शहर में जल्द ही पांच थानों में बल बढ़ाया जाएगा। तीन नए थानों को भी अनुमति मिलेगी। पलासिया पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने साल भर के अपराधों के आंकड़ों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने सोशल पुलिसिंग पर ज्यादा ध्यान देने की बात भी कही। उनका कहना था कि ट्रैफिक को लेकर जल्द ही शहर में बड़े प्लान लाए जाएंगे, लेकिन इसके पहले जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जो काफी बड़े स्तर पर होगा। उन्होंने बताया कि अब तक विभिन्न संस्थाओं की मदद से इंदौर पुलिस द्वारा शहर में 1100 हेलमेट का वितरण किया जा चुका है।

आपराधिक मामलों में कमी का दावा

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2025 में कई अपराधिक मामलों में कमी आई। हत्या जैसे गंभीर अपराधों में अवश्य बढ़ोतरी हुई, लेकिन नासूर बन रही झपटमारी की

उन्होंने बताया कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, लगातार पेट्रोलिंग, आमजन से सीधा संपर्क, थानों में लगातार सुनवाई का प्रतिफल रहा

संपादकीय

स्वच्छ शहर में दूषित जल से मौतें !

वर्ष 2025 की विदाई बेला में देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की भागीरथपुरा बस्ती में दूषित जल से 9 लोगों की जान जाना और दो सौ से अधिक लोगों का बीमार होना इस बात की पुष्टि करता है कि बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की दृष्टि से हम कहां खड़े हैं। इस घटना ने इंदौर की स्वच्छ छवि को भी बड़ा लगा दिया है। हालांकि इस दुखद हदसे के बाद प्रशासन कड़ी कार्रवाई कर रहा है, लेकिन साफ पानी के अभाव में जिन बेगुनाहों की जान चली गई, उनका क्या? इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासन की लापरवाही, अव्यवस्था और संवेदनहीनता सामने आई है। क्योंकि स्वास्थ्य विभाग अभी भी दूषित जल पीने से तीन मौतों को स्वीकार कर रहा है। हालांकि भागीरथपुरा की यह अवैध बस्ती है। फिर भी एक नागरिक की हैसियत से यहां रहने वाले लोग साफ पानी के हकदार तो हैं ही। लेकिन यह बस्ती पूरी तरह प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार रही है। यूँ गंदे पानी की समस्या इंदौर के कई हिस्सों में है, लेकिन भागीरथपुरा में तो नर्मदा पाइप लाइन पर शौचालय बन गया और उसका पानी पेयजल लाइन में मिलता है। वहां लगी बरसों पुरानी पाइप लाइनों में जहरीला पानी बह रहा है, लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। मामों उन्हें लोगों के मरने का ही इंतजार रहा हो। जबकि स्थानीय रहवासी गंदे पानी की शिकायत लंबे समय से करते आ रहे थे। किसी जमाने में इस बस्ती में भट्टे होते थे। जब भट्टे बंद हुए तो भूमाफिया ने प्लॉट बेचना शुरू किए। 1975 के आसपास यहां बसाहट शुरू हुई। न ड़ेनेज लाइन बिछी थी न पानी का पा.ता। घनी बसाहट हो गई और लोग ‘बोटबैक’ बन गए तो चुनाव जीतने वालों ने काम शुरू किए, लेकिन कोई प्लानिंग नहीं की। बेकलेन थी नहीं तो सड़क के आसपास ही नर्मदा और ड़ेनेज लाइन खल दी गई। बताया जाता है कि भागीरथपुरा में गंदे पानी की समस्या सालभर से है। यहां की लाइनें 30 साल से ज्यादा पुरानी हैं और कमजोर हो चुकी हैं। भागीरपुरा से जुड़ा नगर निगम का जान शिकारतों में शहर में दूसरे स्थान पर है। दो माह में सबसे ज्यादा गंदे पानी की शिकायतें मिलीं, लेकिन अफसरों ने ध्यान नहीं दिया। महापौर परिषद ने भागीरथपुरा बस्ती की लाइन बदलने के लिए अगस्त माह में मंजूरी दी थी, लेकिन फाइल आगे ही नहीं बढ़ी। बस्ती में ड़ेनेज की मुख्य लाइन खल दी गई, लेकिन उससे जोड़ने वाली पुरानी लाइनें अब तक नहीं डाली गईं। सरकार भी भी बड़े अफसरों को लापरवाही की सजा देने के बजाय छोटे अफसरों पर कार्रवाई की है। जबकि गंदे पानी से मौतों का सिलसिला एक हफ्ते से चल रहा है। इस घटना पर मंत्री और क्षेत्रीय विधायक कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। मामले की जांच जारी है। दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा। बस्ती के प्रभावितों को इलाज जारी है। मेयर पुण्य मित्र भार्गव ने कहा कि बस्ती की पेयजल लाइन को दूषित करने वाले रिसाव को खोजा जा चुका है। इसके बावजूद हम लाइनों को जांच रहे हैं। बस्ती में टैंकरो से पानी वितरित किया जा रहा है। जबकि कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें बस्ती में तैनात हैं। अब मरीजों की संख्या में कमी आई है। मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं हो जाती। अव्वल तो यह अवैध कॉलोनी वैध क्यों नहीं हुई और इसमें जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध क्यों हुईं तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार है, यह तय करना जरूरी है। लोग दूषित पानी पीने से मरे, इससे दुखद और क्या हो सकता है?

नजरिया

डॉ. मनीष जैसल

लेखक मीडिया शिक्षक हैं।

इतिहास अक्सर बड़ी राजनीतिक घटनाओं, युद्धों या सत्ता-परिवर्तनों के इर्द-गिर्द लिखा जाता है। लेकिन कुछ वर्ष ऐसे भी होते हैं, जब इतिहास किसी एक फैसले या घटना से नहीं, बल्कि असंख्य व्यक्तिगत संघर्षों और उपलब्धियों से आकार लेता है। वर्ष 2025 भारतीय महिलाओं के लिए ऐसा ही एक वर्ष रहा जहाँ परिवर्तन किसी एक मंच पर नहीं, बल्कि खेल के मैदानों, जंगलों के भीतर, अदालतों की लड़ाइयों में, सिनेमा के परदे पर, साहित्य की पंक्तियों में और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक साथ दिखाई दिया। यह वर्ष इस मायने में अलग रहा कि महिलाओं की उपलब्धियाँ ‘अपवाद’ नहीं रहीं, बल्कि एक सुसंगत प्रवृत्ति के रूप में सामने आईं। भारतीय समाज में लंबे समय तक महिलाओं की सफलता को या तो ‘प्रेरक कहानी’ कहकर सीमित कर दिया गया, या फिर उसे व्यक्तिगत असाधारणता का परिणाम मानकर संरचनात्मक असमानताओं से अलग कर दिया गया। 2025 ने इस सोच को चुनौती दी। इस वर्ष यह साफ दिखाई दिया कि जब अवसर, संसाधन और सामाजिक समर्थन एक साथ आते हैं, तो महिलाएँ केवल आगे नहीं बढ़तीं वे नई परिभाषाएँ गढ़ती हैं। खेल के क्षेत्र में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन इस बदलाव का सबसे स्पष्ट उदाहरण बना। वर्षों तक सीमित संसाधनों, कम प्रसारण समय और अपेक्षाकृत कम समर्थन के बावजूद टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर न केवल निरंतर जीत दर्ज की, बल्कि रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन कर यह साबित किया कि महिला क्रिकेट अब ‘संभावनाओं का खेल’ नहीं, बल्कि ‘स्थापित क्षमता’ का क्षेत्र है। 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को उपलब्धियाँ उस सामाजिक सोच पर भी सवाल थीं, जिसमें महिलाओं के खेल को अब भी सहानुभूति या अतिरिक्त प्रोत्साहन की दृष्टि से देखा जाता है। इसी खेल-जगत के बाहर, मोटरस्पोर्ट जैसे अत्यंत पुरुष-प्रधान और तकनीकी क्षेत्र में डायना पुंडोले की मौजूदगी ने एक नई बहस को जन्म दिया।

‘विशेष उपलब्धि’ नहीं, बल्कि स्वाभाविक शर्त

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फरारी चैलेंज में भाग लेने वाली पहली भारतीय महिला के रूप में डायना की यात्रा केवल गति और तकनीक की कहानी नहीं है। यह उस सामाजिक ढांचे के विरुद्ध खड़े होने का साहस है, जो मानता रहा है कि जोखिम, मशीन और प्रतिस्पर्धा महिलाओं के स्वाभाविक क्षेत्र नहीं हैं। 296 जैसी हाई-परफॉमेंस कार को वैश्विक सर्किट पर दौड़ाते हुए डायना ने यह दिखाया कि सीमाएँ जैविक नहीं, सामाजिक होती हैं—और उन्हें बदला जा सकता है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में डॉ. सोनाली घोष का

‘अस्थायी’ या ‘गैर-ज़रूरी’ मान लिया जाता है।

जानवी की सफलता ने यह प्रश्न खड़ा किया कि क्या हम बच्चों—खासकर लड़कियों—को उनके सपनों के अनुरूप ढलने की स्वतंत्रता देते हैं? सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों के क्षेत्र में वर्षा देशपांडे का योगदान 2025 में एक गहरी नैतिक उपस्थिति के रूप में सामने आया। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार से सम्मानित होकर उन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक महाराष्ट्र में लैंगिक हिंसा, सेक्स-सिलेक्शन और दलित महिलाओं के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष

भारतीय भाषाओं के लेखन को वैश्विक विमर्श के

केंद्र में ला दिया। हार्ट लैंप के लिए इंटरनेशनल बुकर प्राइज जीतकर उन्होंने यह साबित किया कि भाषा की शक्ति उसकी बाज़ार-स्थिति से नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता से तय होती है। कन्नड़ में लिखने वाली पहली लेखिका के रूप में यह सम्मान पाकर बानू मुश्ताक ने न केवल साहित्यिक इतिहास रचा, बल्कि स्त्री-अनुभवों की जटिलताओं को अंतरराष्ट्रीय पाठकों तक पहुँचाया। 2025 में कुछ और भारतीय महिलाओं ने भी अपनी निर्णायक उपस्थिति दर्ज कराई। अंतरिक्ष विज्ञान में निगार शाजी ने आदित्य-एल 1 मिशन के माध्यम से भारत की वैज्ञानिक क्षमता को वैश्विक मंच पर और मजबूत किया। वैश्विक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में गीता गोपीनाथ ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में नेतृत्वकारी भूमिका निभाते हुए यह दिखाया कि नीति-निर्माण में भारतीय महिला की आवाज़ अब अनदेखी नहीं की जा सकती। खेल जगत में अवनी लेखरा की निरंतर सफलता ने दिव्यांगता को सीमित दृष्टि से देखने की सोच को चुनौती दी, वहीं सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं के साथ काम कर रहीं अनु शर्मा ने डिजिटल समावेशन को सामाजिक सशक्तिकरण से जोड़ा। नया साल केवल तारीख़ बदलने का अवसर नहीं होता, वह हमारे सामाजिक संकल्पों की भी परीक्षा होता है। भारत का संविधान समानता, गरिमा और अवसर की जिन मूल अवधारणाओं पर टिका है, उनमें महिलाओं के प्रति गहरी आस्था निहित है, यह आस्था कि वे नागरिक हैं, अधिकारों की धारक हैं और राष्ट्र-निर्माण की खाबर की भागीदार हैं। वर्ष 2025 में सामने आई ये उपलब्धियाँ उसी संवैधानिक विश्वास की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। अब जब हम नए साल में प्रवेश कर रहे हैं, तो यह जरूरी है कि इन सफलताओं को केवल तालियों और प्रशंसा तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें नीति, शिक्षा, संसाधन और सामाजिक व्यवहार में स्थायी रूप से रूपांतरित किया जाए। नई सोच के साथ नए साल का स्वागत सभी सार्थक होगा, जब हम महिलाओं की प्रगति को ‘विशेष उपलब्धि’ नहीं, बल्कि लोकतंत्र की स्वाभाविक शर्त के रूप में स्वीकार करें। यही संविधान की आत्मा है और यही नए भारत की दिशा भी।

नववर्ष

ममता कुशवाहा

लेखक शिक्षिका हैं।

अंग्रेजी कैलेंडर में 1 जनवरी के साथ ही नए साल की शुरुआत हो जाती है। यह पश्चिमी उत्सव अन्य लोगों के साथ- साथ विद्यार्थियों के जीवन में भी कुछ नया संकल्प देने का काम करता है। विद्यार्थियों के लिए नववर्ष का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहीं वह समय होता है जब उनके सपने आकार लेने लगते हैं और भविष्य की दिशा तय होने लगती है। बीता हुआ वर्ष अपने साथ अनुभवों की एक गंदरी छोड़कर विदा होता है, कुछ अनुभव सफलता के होते हैं, जो आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं, तो कुछ असफलताओं के होते हैं, जो जीवन की महत्वपूर्ण सीख बन जाते हैं। ऐसे में नववर्ष विद्यार्थियों के लिए आत्मचिंतन, संकल्प और आत्मविकास की राह पर आगे बढ़ने का संदेश लेकर आता है। यदि नववर्ष की शुरुआत शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के समन्वय से की जाए, तो यह केवल एक नया साल नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की सशक्त नींव बन सकता है। नववर्ष का सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आत्मचिंतन है। आज के समयमें विद्यार्थी पाठ्यक्रम पूरा करने, परीक्षाओं की तैयारी और अंकों को होड़ में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे स्वयं से संवाद करना ही भूल जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे कुछ क्षण ठहरकर अपने बीते वर्ष पर शांत मन से विचार करें। उन्होंने पूरे वर्ष में क्या सीखा, कहीं वे सफल रहे, कहीं उनसे चूक हुई, किन विषयों में उनकी रुचि बढ़ी और किन क्षेत्रों में उन्हें और अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है, इन सभी प्रश्नों पर विचार करना आत्मविकास की दिशा में पहला कदम है। आत्मचिंतन से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना और अपनी क्षमताओं को पहचानना सीखते हैं, जिससे उनका आगे का सफर अधिक स्पष्ट और सार्थक बनता है। आज भी समाज में शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे में ही सीमित कर दिया जाता है, जबकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें सोचने, समझने, प्रश्न करने और समाधान खोजने की क्षमता विकसित होती है। जब विद्यार्थी शिक्षा को केवल बोझ नहीं, बल्कि ज्ञान की यात्रा के रूप में देखते हैं, तब पढ़ाई आनंददायक बन जाती है। जीवन से जुड़ी शिक्षा न केवल रोजगार के

शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्माण का समय

अवसर प्रदान करती है, बल्कि व्यक्ति को समाज के लिए भी उपयोगी बनाती है। नववर्ष इस व्यापक दृष्टिकोण को अपनाने की प्रेरणा देता है। विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना लक्ष्य के जीवन दिशाहीन हो जाता है। नववर्ष को लक्ष्य निर्धारण का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है, क्योंकि यह नई शुरुआत का प्रतीक है। इस समय यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य स्पष्ट और यथार्थवादी ढंग से तय करें, तो वे भटकना से बच सकते हैं। लक्ष्य केवल अच्छे अंकों लाने या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाने तक सीमित नहीं होने चाहिए। इन्में ज्ञान अर्जन, कौशल विकास, अच्छे चरित्र का निर्माण और स्वस्थ जीवनशैली भी शामिल होनी चाहिए। नववर्ष यह विचार देता है कि लक्ष्य जितने स्पष्ट होंगे, प्रयास उतने ही केंद्रित होंगे और परिणाम उतने ही संतोषजनक प्राप्त होंगे। आज का युग केवल डिग्री हासिल करने का नहीं, बल्कि कौशल विकसित करने का है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि बदलती दुनिया में वही व्यक्ति आगे बढ़ेगा, जो नए कौशल सीखने के लिए सदैव तत्पर रहेगा। संचार कौशल, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मक सोच, टीम वर्क और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल आज के समय में अत्यंत आवश्यक हो चुके हैं। नववर्ष विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार नए-नए कौशल सीखें, ताकि वे केवल परीक्षा में ही नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविक चुनौतियों में भी सफल हो सकें। विद्यार्थियों के जीवन में समय सबसे बहुमूल्य संसाधन होता है, किंतु वे अक्सर इसका महत्व नहीं समझ पाते और समय व्यर्थ कर देते हैं। नववर्ष समय प्रबंधन की अच्छी आदतें विकसित करने का श्रेष्ठ अवसर है। जब विद्यार्थी अपनी दिनचर्या की सही योजना बनाते हैं और पढ़ाई, विश्राम तथा मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, तब वे मानसिक तनाव से बचे रहते हैं। समय का सही उपयोग न केवल शैक्षणिक सफलता दिलाता है, बल्कि आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। नववर्ष यह संकल्प लेने का समय है कि समय को अपना मित्र बनाया जाए, न कि शत्रु। शिक्षा और कौशल के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में अपेक्षाओं का दबाव विद्यार्थियों पर गहरा प्रभाव डालता है, जिसके कारण वे तनाव, चिंता और निराशा का शिकार हो जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सकरात्मक सोच, आत्मविश्वास, धैर्य और आत्मसंयम जैसे गुण कठिन परिस्थितियों में विद्यार्थियों के सबसे बड़े सहायक बनते हैं। नववर्ष यह संदेश देता है कि स्वस्थ मन के बिना कोई भी सफलता स्थायी नहीं हो सकती। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। नववर्ष नई और अच्छी आदतें अपनाने का

नववर्षारम्भे

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

लेखक साहित्यकार हैं।

हम सब अपनी-अपनी कठिनाइयों से जूझते हुए भी उत्साह और उमंग के सपने सँजोये हुए नये वर्ष का स्वागत करने के लिये तैयार खड़े हैं। नये वर्ष के स्वागत का अर्थ है- वर्तमान की पूजा, नये संकल्प, नई स्थानानाओं का साहसिक अभियान। जो समय के साथ है, वही वर्तमान है। अतीत उसका पूर्वज है, इसलिए वह वर्तमान को खेतों-कूदते हुए ही देखना चाहता है। वह वर्तमान की सम्भावना को देखकर कुठित नहीं होता, अपितु बड़े-बुजुर्ग की तरह वर्तमान को ऊपर चढ़ता हुआ देखकर खुश हो जाता है। इसीलिए हम बीते वर्ष को धन्यवाद देते हैं, कि उसने हमें यहाँ तक पहुँचाने का संकल्प दिसम्बर की आँखों पर पूरा कर लिया। नये वर्ष के स्वागत के साथ हम अपनी जेब में बीते वर्ष के लेखे-जोखे की बहुत सारी चिट्ठियाँ समझले रहते हैं। उनमें बहुत सी वैचारिक आमदनियाँ होती हैं, सेहत, रुपये-पैसे और सामाजिक लाभ-हानियों के हिसाब के साथ हर-जीत के वे मनोविज्ञान भी होते हैं, जिनका असर दीर्घकालिक हो सकता है। फिर भी नगवार के लिये एक आश्चर्यजनक आकर्षण हमारी जेहन में होता है। हम नई दौड़ में शामिल होना चाहते हैं, अपने विकास को बिल्कूल नई इबारत लिखना चाहते हैं। हम इस विश्वास से भरे होते हैं कि नये वर्ष में सब खुशियाँ हमारी मुट्ठी में होंगी, और हमारा अभियान सफल होगा।हम बहुधा दुःखी रहते हैं, उदास हो जाते हैं। कई बार लगता है कि कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। मनुष्य का जीवन कटुता और वैमनस्य से भरता चला जा रहा है। पाप बढ़ रहे हैं। ऐसा भी लगता रहता है कि हम असुरक्षित हैं, और कोई आसुरी शक्ति हमारी ओर बढ़ती चली आ रही है। ऐसा अनुभव आत्मकल को घेरता है, संदिग्ध हो जाते हैं। इसलिए यह चिन्ता छोड़कर यह देखिए कि मनुष्य अब तक के सबसे बड़े साहसिक अभियान पर है। सम्पूर्ण पृथ्वी पर चेतना का यश चल रहा है। समय के कैनवास पर नये रंग भर जा रहे हैं। पुरानी और जर्जर हो चुकी प्रणालियाँ बदल रही हैं। सुजन और प्रलय की होड़ में सुजन बढ़त बनाये हुए है। जीवन के रहस्यों पर पड़े हुए पर्दे हटाये जा रहे हैं। आदमी दुःख के फ़ाड़ों को चीरता हुआ सुख के उस सागर के पास जा खड़ा होने के लिये उत्सुक है, जहाँ की निराली शान्ति उसने पहले कभी नहीं देखी थी। नये वर्ष का सीधा सम्बंध तो सूर्य और पृथ्वी के रिश्ते से है। यह रश्मि कितना गहरा है, इसका गणित कितना अस्पष्ट, यह अभी तक पूरी तरह नहीं जाना जा सका। लेकिन मनुष्य ने न जाने कितनी बार इस रिश्ते की

अब तक का सबसे बड़ा साहसिक अभियान

तह में जानने की कोशिश की। उसने यह जाना कि वह भी इस रिश्ते की महत्वपूर्ण कड़ी है। सूर्य और पृथ्वी के बीच का जो मेल-मिलाप है, उसने हमें सन् और संवत् दिये, उसकेसाथ उत्सव दिये, लौहार दिये, उन्हें मानने की अलग-अलग परम्पराएँ भी दीं। अब से 2026 वर्ष पहले जो ईस्वी सन् लागू हुआ, वह अब तक का आधुनिकतम, वैज्ञानिक और सब प्रकार से जींच-परखा समय का वह पहिया है, जिसका अनंतकाल तक चलते चले जाना तय है। इसमें संदेह नहीं, कि हमारा विक्रम संवत् इससे आयु में 57वर्ष बढ़ा है। वह हर बात में बढ़ा है। यह उसका बड़पन ही है, कि वह ईस्वी सन् को आगे कर चलता चला आया है। हम भारतीय विक्रम संवत् के साथ-साथ ईस्वी सन् को भी सम्मान देते हैं, इससे विश्व भर में हमारा गौरव बढ़ा है। 1 जनवरी को यह पृथ्वी सूर्य की प्रदक्षिणा पूरी कर प्रणाम करने की मुद्रा में आती है। इस दिन हम कृतज्ञ होते हैं सूर्य और पृथ्वी के प्रति, कि उन्होंने हमें जीवन दिया। यह अवसर पृथ्वी पर निवास करने वाले एक-एक मनुष्य के लिये चुनौतीपूर्ण आमंत्रण है। यह सूर्य की अत्यक्षता में नववर्ष का रणनीतिक है। इस मौके पर नयी सुबह की प्रथम किरण का स्पर्श हमारी रा-रा में उत्साह और उमंग भर देता है। मन का मयूर नाच उठता है, थके हुए पाँव भी थिरकने लगते हैं, जोने की इच्छा को नये पंख मिलते हैं और मूगझने की तरह चौकड़ी भरने के लिये एक हवा-भरा मैदान सामने दिखने देते लगता है। यही तो वह उत्सव है, जिसके सपने सँजोये गये थे नववर्ष के आरम्भ के साथ नव संकल्प लेने का आह्वान भी होता है। संकल्प लेना आसान हो सकता है, लेकिन उसकी शुचिता का सम्बंध हमारे मन से है। संकल्प जाग उठा, तो अंत तक वह मन में ही आसन जमाकर बैठेगा। नववर्ष की मंगल प्रभात में हमारी पहली प्रार्थना तो यही होनी चाहिए कि हे नवगत उषा ! हमारा मन स्वच्छ कर दे। चित्त की सब मलिनताएँ मिटा दे। वह तिरि-जाल समेट ले, जिसने मेरे आत्मविश्वास को ढँक लिया है। हमें उधर ले चल, जहाँ जीवन का संगीत है। हमें वहाँ ले चल, जहाँ मनुष्य के साहस की परीक्षा चल रही है।नये वर्ष का स्वागत कीजिए, हृदय के बंद कपाट खोल कर। खेह का दीप जलाइए। अपनी आत्मा की सुगंध सब ओर फैला दीजिए। शुभ कामनाओं का तोरणद्वार सजा लीजिए। उमंग के सितार को झुकते नो दीजिए घर-आँगन में। प्रेम का कलश छत्का दीजिए। अपनी भावनाओं के निश्रं को बह जाने दीजिए। नव वर्ष में हम एक-दूसरे को भरोसा दिलाएँ कि मनुष्यता कभी मर नहीं सकती। जीवन के उद्देश्य को नया अर्थ दें, नयी गति दें। हमारी गलतियों से जो आकाश सिक्कू गया है, उसे दसों दिशाओं में खुल जाने की सीमात दें।नये वर्ष की सुनहली भोर में उगते हुए सूरज की ओर अपने दोनों हाथ फैला कर काहिए- हे ज्योतिर्मय ! मैं अब तक के सबसे बड़े साहसिक अभियान पर हूँ। मुझे आत्मविश्वास से भर दे, मुझे अपने प्रकाश से जगमग कर दे। तू हमें अपने आलिंगन में ले ले। हमारे भीतर उगने हुए तमस का अंत कर दे। तमस का वह विश्वास दे, जो हमारे जीवन में नई चमक और नया उत्साह जगा दे।

त्योंय

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर लोग ‘हेप्पी न्यू ईयर’ के मस्ती में डूबते हैं, तब मैं रजाई में दुबकर पुराने कैलेंडर की निहारता हूँ। जिसमें मैंने पिछले साल ‘क्रांति’ का संकल्प लिया था। नया साल असल में वह विकल्प है, जहाँ से हम अपनी पुरानी असफलताओं को नए रैंपर में लपेटकर खुद की समृद्धि का कायाकल्प कर सकते हैं। पुराने साल की आखिरी रात को अमूमन दो तरह के लोग पाए जाते हैं। पहले वे, जो ‘पाटी’ के नाम पर इतना शोर मचाते हैं कि यमराज भी कन्स्प्यूजिया जाए कि धरती पर प्रलय आ गया है या सिर्फ कान

त्योंय

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर लोग ‘हेप्पी न्यू ईयर’ के मस्ती में डूबते हैं, तब मैं रजाई में दुबकर पुराने कैलेंडर की निहारता हूँ। जिसमें मैंने पिछले साल ‘क्रांति’ का संकल्प लिया था। नया साल असल में वह विकल्प है, जहाँ से हम अपनी पुरानी असफलताओं को नए रैंपर में लपेटकर खुद की समृद्धि का कायाकल्प कर सकते हैं। पुराने साल की आखिरी रात को अमूमन दो तरह के लोग पाए जाते हैं। पहले वे, जो ‘पाटी’ के नाम पर इतना शोर मचाते हैं कि यमराज भी कन्स्प्यूजिया जाए कि धरती पर प्रलय आ गया है या सिर्फ कान

कैलेंडर का मेकओवर से संकल्पों की अर्थी तक

फोड़ू डीजे बज रहा है। दूसरे वे, जो रजाई में दुबक कर ‘आत्मचिंतन’ का मेरी तरह ढोंग करते हैं और सोशल मीडिया पर ऐसे भारी-भरकम संकल्प लिखते हैं, जिन्हें पढ़कर स्वयं अरस्तू भीया भी शर्मा जाएँ। नए साल का सबसे बड़ा शिकार जिम और फेसबुकिया होते हैं। जिम के मालिक जनवरी के पहले हफ्ते में कमाई का रिकार्ड तोड़ते हैं और पूरे शहर को बॉडी बिन्डर बनने का जूनून सवार होता है। पहली जनवरी को जिम में इतनी भीड़ होती है कि डंबल उठाने के लिए भी लाइन में लगना पड़ता है। लेकिन जैसे-जैसे जनवरी की ठंड बढ़ती है, संकल्पों की चर्बी पिघलने के बजाय जमने लगता है।

कैलेंडर का मेकओवर से संकल्पों की अर्थी तक

पखवाड़ा आते-आते जिम में सिर्फ वही लोग बचते हैं, जिन्होंने ‘सालाना पैकेज’ के पैसे दिया होता है। वह वापस न मिलने के गम में कसूरत होती है। सोशल मीडिया पर लोग सूरज की पहली किरण के साथ ऐसी रस्तीवरें डालते हैं जैसे उन्होंने ही रात भर जागकर सूरज को खींचकर बाहर निकाला हो। न्यू ईयर स्ट्रेट्स डालने वाले सज्जन वही होते हैं, जो पहली दूसरी जनवरी को बैठकर पड़ोसी की बुराई कर रहे होते हैं। बदलाव सिर्फ एक हफ्ते भी नहीं टिकता और दिखावा है। बाजारवाद के युग में नया साल एक प्रमोशन सेल है। जो पुरानी डायरियां पिछले साल नहीं बिकीं,

कैलेंडर का मेकओवर से संकल्पों की अर्थी तक

वे नए कवर के साथ बिकने लगती हैं। कपनियां आपको यकीन दिलाती हैं कि इस साल उनका कपड़ा मोबाइल कार और मकान नहीं खरीदा, तो समय आपके लिए रुक सा जाएगा। हर चीज में बाजार रुक सा हुआ है। देखा-देखी में दिमाग में भूसा भर गया है। सबको बिना आवश्यकता के फालतू चीजें खरीदनी हैं। हकीकत तो यह है कि नया साल अच्छी आदत अपडेट करनी है। जिसमें अच्छे फीचर्स आ जाएँ, बस संकल्प से आइकन बदल दिया जाता है। हम दिसंबर की आखिरी रात को सोचते हैं कि कल सुबह जब आँख खुलेगी, तो हम एक बेहतर इंसान होंगे। मगर अफसोस, सुबह की

कैलेंडर का मेकओवर से संकल्पों की अर्थी तक

चाय के साथ वही पुराने अपराध की खबरें और वही पुरानी उधारीलाल बने रहते हैं। नया साल का हम जश्न मनाते हैं। हर साल एक नई तारीख से अपनी नियति बदलने की उम्मीद करते हैं, बिना खुद को बदले। नया साल हमें यह सिखाता है कि कैलेंडर बदलना आसान है, लेकिन पुरानी आदतों की मेल छुड़ाना मुश्किल। फिर भी, हम हर साल उसी उत्साह से एक-दूसरे को बधाई देते हैं, जैसे पिछली बार हमने पूरी ईमानदारी से निभाए हों। कैलेंडर का मेकओवर से संकल्पों की अर्थी तक प्रयास जारी है। बहरहाल, नया साल मुबारक हो ! इस उम्मीद के साथ हम संकल्प लेते हैं !



स्वागत 2026

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।



नूतन साल केवल तारीख बदलने का नाम नहीं है। यह समय के कैलेंडर पर एक नई धारा जोड़ने से कहीं अधिक है। यह आत्मा के भीतर जमा भूल को झाड़ने, विचारों की दिशा सुधारने और जीवन को नई दिशा और अर्थ देने का अवसर है। हर वर्ष की तरह अलबिदा होता साल 2025 और जिसके स्वागत के लिए हम बेताब हैं साल 2026 भी हमसे एक प्रश्न करता है, क्या हम सचमुच नए हो पाए, या सिर्फ पुराने ढर्रे को नई तारीख के साथ ढोते रहे।

नया साल शोर, आतिशबाजी और सोशल मीडिया के शुभकामना संदेशों से आगे निकलने की माँग करता है। यह एक आधुनिक सोच चाहता है, जहाँ उत्सव के साथ उत्तरदायित्व, उमंग के साथ विवेक और संकल्प के साथ करुणा हो। उमंग और उत्साह बाहरी नहीं, भीतरी ऊर्जा होनी चाहिए। नूतन साल अक्सर जोश और उमंग का प्रतीक माना जाता है। लोग कहते हैं इस साल कुछ बड़ा करेंगे। पर आधुनिक सोच यह कहती है कि उमंग का स्रोत बाहर नहीं, भीतर होना चाहिए। क्षणिक उत्साह, जो कुछ दिनों में बुझ जाए, वह परिवर्तन नहीं ला सकता। सच्ची उमंग वह है जो कठिन परिस्थितियों में भी हमें आगे बढ़ने की शक्ति दे।

उत्साह तब सार्थक होता है जब वह निरंतरता में बदल जाए, जब हर सुबह खुद से यह पूछा जाए कि आज मैं बीते कल से थोड़ा बेहतर कैसे बन सकता हूँ। संकल्प और विकल्प के साथ हमें तैयार होना होगा। नया साल संकल्पों का मौसम होता है। पर अधिकतर संकल्प शब्दों में ही रह जाते हैं। आधुनिक दृष्टि में संकल्प केवल इच्छा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। संकल्प तभी टिकता है जब हम विकल्पों को समझदारी से चुनते हैं। हर दिन हम छोटे-छोटे विकल्प चुनते हैं, सत्य या सुविधा, परिश्रम या बहाना, प्रेम या घृणा। यही विकल्प हमारे पूरे वर्ष की दिशा तय करते हैं। नया साल यह सिखाता है कि बड़े बदलाव बड़े फैसलों से नहीं, बल्कि रोज़ लिए गए सही विकल्पों से आते हैं।

प्रेम और सद्भाव की भावना हमें निजी दायरे से

संकल्प और उमंग के साथ तैयार हैं हम?

नया साल शोर, आतिशबाजी और सोशल मीडिया के शुभकामना संदेशों से आगे निकलने की माँग करता है। यह एक आधुनिक सोच चाहता है, जहाँ उत्सव के साथ उत्तरदायित्व, उमंग के साथ विवेक और संकल्प के साथ करुणा हो। उमंग और उत्साह बाहरी नहीं, भीतरी ऊर्जा होनी चाहिए। नूतन साल अक्सर जोश और उमंग का प्रतीक माना जाता है। लोग कहते हैं इस साल कुछ बड़ा करेंगे। पर आधुनिक सोच यह कहती है कि उमंग का स्रोत बाहर नहीं, भीतर होना चाहिए। क्षणिक उत्साह, जो कुछ दिनों में बुझ जाए, वह परिवर्तन नहीं ला सकता। सच्ची उमंग वह है जो कठिन परिस्थितियों में भी हमें आगे बढ़ने की शक्ति दे।

सामाजिक सरोकार तक रखनी चाहिए आज का समय तेज है, प्रतिस्पर्धी है और अक्सर संवेदनहीन भी। ऐसे में नया साल हमें प्रेम को नए अर्थ में समझने का अवसर देता है। प्रेम केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं होना चाहिए। सद्भाव का अर्थ असहमति के बावजूद सम्मान। अलग विचार रखने वाले से भी ईसान की तरह पेश आना। आधुनिक समाज में यही सबसे बड़ा उत्सव है। जब हम प्रेम और सद्भाव को जीवन की नीति बनाते हैं, तब नया साल केवल हमारा नहीं रहता, वह समाज का नया साल बन जाता है।

घृणा से मुक्ति सबसे ज़रूरी नववर्ष का संकल्प है कोई एक संकल्प सबसे अधिक ज़रूरी है, तो वह है घृणा को छोड़ने का संकल्प। घृणा हमें थकाती है, हमें संकीर्ण बनाती है और हमारे भीतर के मनुष्य को छोटा करती है। नया साल इस बोझ को उतारने का समय है। आधुनिक सोच यह नहीं कहती कि अन्याय को स्वीकार कर लिया जाए, बल्कि यह कहती है कि संघर्ष में भी मानवीय गरिमा बनी रहे। घृणा छोड़ना कमज़ोरी नहीं, बल्कि मानसिक स्वतंत्रता है।

हमारा लक्ष्य केवल सफलता नहीं, सार्थकता के साथ नए साल में लक्ष्य तय किए जाते हैं, पैसा, पद, पहचान पर नहीं पर आधुनिक दृष्टि पृच्छती है इन लक्ष्यों का उद्देश्य क्या है। लक्ष्य केवल सफलता के लिए नहीं, सार्थकता के लिए होने चाहिए। ऐसा लक्ष्य जो केवल हमें नहीं, दूसरों को भी बेहतर जीवन दे सके। जब लक्ष्य समाज और आत्मा दोनों के साथ जुड़ते हैं, तब सफलता अहंकार नहीं बनती, बल्कि सेवा का माध्यम बनती है।

परिवर्तन डरने की नहीं, गढ़ने की चीज। लोग परिवर्तन



चाहते हैं, लेकिन उससे डरते भी हैं। नया साल परिवर्तन का प्रतीक है, पर आधुनिक सोच कहती है कि परिवर्तन बाहर नहीं, भीतर से शुरू होना चाहिए। यदि सोच नहीं बदली, तो हालात बदलने से भी कुछ नहीं बदलेगा। परिवर्तन का अर्थ पुरानी गलतियों से सीखना, नई राह चुनना और ज़रूरत पड़ने पर खुद को फिर से गढ़ लेना। क्षमा और दया आत्मा की सफ़ाई के साथ नया साल मनाने से पहले ज़रूरी है। क्षमा और दया इसी सफ़ाई के साधन हैं। क्षमा दूसरों के लिए नहीं, हमारे अपने मन के लिए होती है। दया दूसरों को नहीं, हमें ईसान बनाए रखती है। जब हम क्षमा करते हैं, तब हम अतीत की जंजीरों से मुक्त होते हैं। यही सच्ची नववर्ष की शुरुआत है। शील और सौहार्द आधुनिकता का नैतिक आधार हैं। आधुनिक होने का अर्थ मूल्यहीन होना नहीं है। शील, विचार, भाषा और आचरण की मर्यादा, आज पहले से अधिक आवश्यक है। सौहार्द वह सेतु है जो विविधताओं को जोड़ता है। नया साल हमें यह याद दिलाता है कि सभ्यता की पहचान ऊँची इमारतों से नहीं, बल्कि ऊँचे चरित्र से होती है।

नूतन वर्ष हम नूतन सोच, समझ के साथ मनाएं। नया साल मनाने का सबसे अच्छा तरीका है, खुद से ईमानदार संवाद करें शोर, भीड़, तमाशा, दिखावा से दूर, एक शांत संकल्प के साथ आगे बढ़ें। घृणा, से अधिक प्रेम, कम शिकायत, अधिक प्रयास, कम अहंकार, अधिक करुणा अपनाएं नया साल तब सचमुच नया होगा, जब हम अपने भीतर कुछ नया और न्यायपन लाएंगे। यही आधुनिक सोच है, यही समय की माँग है, और यही नए साल का सच्चा उत्सव। फिर नए संकल्प और उमंग के साथ हमें तैयार हो जाना चाहिए।



आगत का स्वागत करें

- रामेश्वरम तिवारी

विगत की करें विदाई, आगत का स्वागत करें, छोटों को गले लगाएँ, बड़ों समक्ष शीश नत करें।

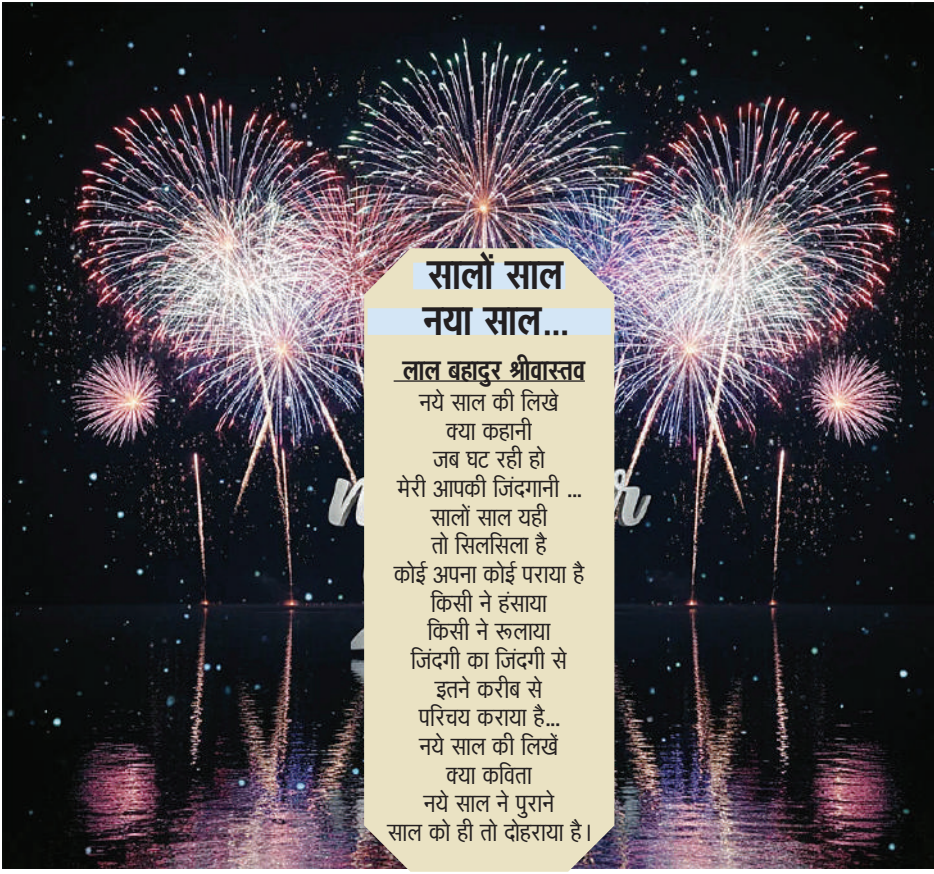
परहित की सोचें दुखियों के दुगों से आँसू पोंछें, मानव होने का दायित्व निभाएँ, दूर आरत करें।

जो सज्जन हैं उनकी सबके सम्मुख प्रशंसा करें, दुष्टजनों की सार्वजनिक लानत-मलामत करें।

जीवन में चाहें जितनी आँधियों औ’ तूफ़ां आएँ, किन्तु हरदम ऊपर उठने का जतन-चाहत करें।

जीवन में गुजरे पल कभी लौटकर आते नहीं हैं, कल की चिन्ता छोड़ें, आज की हिफाजत करें।

शत्रुता को भुलाकर,घृणा-द्वेष,कटुता मिटाकर, मिल-जुलकर सभी निर्मित अभिनव भारत करें।



स्वागत 2026

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

नया, नवीन, नव, नूतन कितने-कितने नाम ले लो.....नया तो नया ही होता है। नया भले ही उसी कद-काठी का हो, हमशक्ल हो परंतु एक नया उत्साह लेकर ही आता है। हमें पता है यह नया कभी पुराना हो जाएगा और जो पुराना हो गया है वह कभी नया था। कौन पड़े इस चक्रव्यूह में हम तो अभी इस क्षण जीना चाहते हैं, जो अभी नवीन है वही हमारी हकीकत है। वर्तमान हमेषा नवीन होता है और सबसे बड़ी बात हम वर्तमान के अलावा और कहीं जी भी नहीं सकते। अब यह अलग बात है कि हम वर्तमान में रहकर भूत और भविष्य का रोना रोते रहें और इस सुनहरे वर्तमान को भी खो दें। हम अक्सर इसी तरह सुनहरे पल खोते जाते हैं। हम जिस पल वर्तमान को अंगीकार कर लेते हैं, हम प्रसन्न रहते हैं। यदि हम कोई उत्सव मना रहे हैं तो हम उस पल में होते हैं, न हमें कोई भूतकाल का गुस्सा या ग्लानि और न कोई भविष्य की चिंता हमें सता रही होती है।

नदी नूतनता का श्रेष्ठ प्रतिदर्श है। देखिये न! कितनी प्राचीन होती है नदी लेकिन उसमे बहने वाला पानी बिल्कुल ताजा होता है। बहता पानी वर्तमान का प्रतीक है। जो पानी एक बार गुजर गया, कभी वहां नहीं मिलेगा। इसलिए नदियों के पानी से आचमन किया जाता है, नदियों की पूजा की जाती है। नवीनता का सीधा संबंध हमारी भाव शक्ति से है। नवीनता हमारे भावों को जागृत कर देती है और मन उत्सव मनाने की ओर प्रवृत्त हो जाता है। कहते हैं यह जीवन उत्सव ही है। नवीनता का स्वागत करता जीवन और समय है कि ठहर जाता है। उत्सव में समय का आभास नहीं होता है जैसे ध्यान की अवस्था में होता है। समय से परे जाना ही वर्तमान में रहने जैसा है। भूत और भविष्य की चिंता में हर समय डूबा मन कभी जीवन की

विषालता, समृद्धि, उल्लास को नहीं समझ पाएगा। नवीनता का स्वागत नहीं कर पाएगा। हम वर्तमान में रहकर सृजनशील रह सकते हैं और हमारा सर्वश्रेष्ठ दे पाते हैं। नवीनता हमें उत्साह से भरकर सृजन में लगाती है। प्रत्येक चिंतनशील और दार्शनिक मनुष्य के जहन में अनेक प्रश्नों के साथ यह प्रश्न भी हमेशा कौंधता होगा कि वास्तव में इस सृष्टि का सृजन क्यों हुआ? इसका उत्तर बुद्धिगम्य नहीं है। पौराणिक मान्यताओं और किंवदंतियों के उलझन भरे जवाबों से परे इसका सहज उत्तर यह हो सकता है कि गति इस कायनात की अनिवार्य प्रक्रिया है और सृजन उसका आवश्यक अंग है। व्यापक अर्थों में सृजन का अर्थ निर्माण से ही है। यह सृजन ही है जो इस सृष्टि की गति को मुखर करता है, उसे सार्थकता प्रदान करता है। यदि केवल गति हो और सृजनात्मकता का अभाव हो तो सापेक्षता के आधार पर यह गति शून्य प्रतीत होगी। यही शून्य मृत्यु या निर्जीवता को प्रदर्शित करता है।

नव सृजन ही जीवन है

जीवन है तो वहाँ सृजनशीलता भी होगी और जहाँ सृजनशीलता है वहाँ जीवन भी होगा। अर्थ यही है कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। सृजन को जीना और जीवन को ढोना एक सिक्के के दो पहलू हैं। प्रत्येक जीव अपना अस्तित्व इन्हीं में खोज लेता है। सृजनशीलता निरंतर प्रवाह जीवन को जीने के लिए प्रेरित करता है वहीं,



विसंगतियों का सृजन। देव व असुरों के मध्य विभेद का एक यह बिन्दु भी प्रमुख रहा है। एक सृजन सदकार्यों के लिए व दूसरे का विध्वंस के लिए। यँ तो जड़ या निर्जीव वस्तुएं ही अच्छी रहती

है जो सृजन तो नहीं करती हैं परंतु वे सृजन का माध्यम जरूर बन जाती हैं।

नव सृजन, सार्थक सृजन

लोकोउपयोगी है तो और भी बेहतर। जो सृजन समाज व राष्ट्र को उन्नति के मार्ग पर पहुँचाए वह सर्वश्रेष्ठ सृजन है। हिमालय का निर्माण कोई एक दिन में नहीं हुआ। सृजन के एक-एक अणु परमाणु के युग-युगीन प्रयत्नों के पश्चात उसका निर्माण हुआ। सार यही है कि सृजन कभी छोटा या बड़ा नहीं होता। वह तो सिर्फ सदकार्यों की कसौटी पर कसा होना चाहिए। एक मूर्तिकार द्वारा किसी मूर्ति का सृजन करने के उपरांत जो उसे आल्हाद होता है, उसी में जीवन छुपा होता है। इसी तरह श्रेष्ठ विचार, रचनाओं के सृजन से यदि समाज व देश की धारा थोड़ी बहुत भी परिवर्तित हो जाए तो वह सृजन का वास्तविक स्वरूप होता है। आजादी के संघर्ष के दौरान गांधीजी द्वारा किया गया विचारों का सृजन संपूर्ण आजादी का आधार स्तम्भ बना था।

श्रेष्ठ सृजन तो श्रेष्ठ विकास

वर्तमान में हम अत्याधुनिक जीवन जी रहे हैं और उन्नति (?) के मार्ग में बह रहे हैं। दिन-प्रतिदिन बल्कि घंटे-प्रति घंटे नए-नए बदलाव की आहट सुनाई देती है। अब यह सोचना काफी परिश्रम का कार्य होगा कि हमने इस कथित उन्नति में कितना श्रेष्ठ सृजन किया और कितना विसंगतिपूर्ण सृजन किया। नवीनता के जोश को संभालने की आवश्यकता भर है। जैसे ही हम नवीनता की आकांक्षा करते हैं हम नदी बन जाते हैं। हमारे दो किनारे कभी मिलते नहीं लेकिन वे भी एक होकर साथ चलते हैं। प्रत्येक मनुष्य से यह आशा की जा सकती है कि वह कुछ न कुछ सृजन अवश्य करे, जो उसके भविष्य का आधार साबित हो। इतना भी नहीं कर सकते तो वह इतना तो कर सकते हैं कि संपर्क में आने वाली वस्तु एवं जगह को छोड़ने से पहले उसे उसके पूर्व रूप से अधिक अच्छा बना दें। यही आज का श्रेष्ठ सृजन होगा।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की स्वरोजगार और रोजगारमूलक योजनाओं की समीक्षा



रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में शासन की स्वरोजगार एवं रोजगारमूलक योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मत्स्योद्योग विभाग, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों की विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य के विस्तृत प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों में पात्रतानुसार शीघ्रता से स्वीकृति और राशि वितरण की कार्यवाही पूर्ण कराएं। उन्होंने बैंकवार आचार्य विद्यासागर योजना, पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, टंटया मामा आर्थिक कल्याण योजना और स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए लंबित रहने का कारण पृच्छते हुए शीघ्रता से प्रकरणों में कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार पीएम स्वनिधि योजना की भी समीक्षा कर लाभ वितरण के निर्देश दिए। बैठक में एलडीएम, संबंधित विभागों के अधिकारी और बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

‘बीओसीडब्ल्यू आयुष्मान कार्ड सैचुरेशन अभियान’ 1 से 31 जनवरी तक

नर्मदापुरम (निप्र)। सहायक श्रम आयुक्त, नर्मदापुरम ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा आयुष्मान भारत निरामयम् के संयुक्त तत्वावधान में मंडल के अंतर्गत पंजीकृत पात्र निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु ‘बीओसीडब्ल्यू आयुष्मान कार्ड सैचुरेशन अभियान’ का क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह अभियान 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत सभी पात्र निर्माण श्रमिकों एवं उनके पात्र परिवारजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। सहायक श्रम आयुक्त ने अपील की है कि मंडल अंतर्गत पंजीकृत समस्त श्रमिक एवं उनके पात्र सदस्य अभियान अवधि में अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं।

दूरदर्शन भोपाल के ‘भरोसा सच का’ कार्यक्रम में विदिशा की झेन दीदी की सहभागिता

विदिशा (निप्र)। दूरदर्शन भोपाल द्वारा ‘भरोसा सच का’ कार्यक्रम के अंतर्गत ‘महिला सशक्तिकरणरू आत्मनिर्भरता से नेतृत्व की ओर’ विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला विदिशा का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्राम पंचायत रंगई, जनपद पंचायत विदिशा से झेन दीदी श्रीमती प्रभा वर्मा ने सहभागिता की। बुधवार 24 दिसम्बर को आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रीमती प्रभा वर्मा ने झेन तकनीक के माध्यम से कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों, महिलाओं की आय वृद्धि तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में मिले अवसरों के बारे में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार तकनीकी प्रशिक्षण एवं शासन की योजनाओं के सहयोग से ग्रामीण महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए आगे आ रही हैं। दूरदर्शन भोपाल के इस कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की सफल कहानियों को व्यापक मंच मिला। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि नवाचार, तकनीक और सतत् सहयोग के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। जिला विदिशा की यह सहभागिता अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी।

ग्राम पंचायत कुटंगा के झिरना धाम में जन सहयोग से किया बोरी बंधान

बैतूल (निप्र)। मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष व राज्यमंत्री दर्जा श्री मोहन नागर तथा जिला कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जन अभियान परिषद विकासखंड चिचोली एवं भीमपुर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को बोरी बंधान कार्यक्रम का आयोजन भीमपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत कुटंगा के झिरना धाम में किया गया। जन अभियान परिषद से जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया कि बोरी बंधान में लगभग 400 बोरियों का उपयोग कर जल संचयन किया गया। इस बोरी बंधान के माध्यम से संचित जल का उपयोग सिंचाई एवं प्रीमकाल में विभिन्न आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा।

जनहित के कार्यों में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं, समय-सीमा में हो काम :कलेक्टर श्री सूर्यवंशी



बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं प्रकरणों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके लिए विभागीय अधिकारी अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि

समन्वय और नियमित समीक्षा से ही बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। सभी अधिकारी सतत फॉलोअप में रहकर कार्यों को देखें और समस्याओं का मौके पर समाधान करें।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों की समीक्षा: बैठक के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आगामी गणतंत्र दिवस समारोह 2026 की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने मंच सज्जा, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकी, अतिथि व्यवस्था,

राजधानी आसपास

गर्भवती महिलाओं की डोर टू डोर मॉनीटरिंग के दिए निर्देश

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की विभागीय गतिविधियों और सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा



रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभागीय गतिविधियों और योजनाओं की साप्ताहिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएमएचओ डॉ एचएन मांडरे से गत बैठक में दिए गए निर्देशों के पालनार्थ की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं और अभियानों का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए।

गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और नियमित स्वास्थ्य जांच के साथ ही 7.5 हीमोग्लोबिन वाली गर्भवती महिलाओं की डोर टू डोर मॉनीटरिंग की जाए। साथ ही सभी स्थितिल अस्पतालों के नियमित निरीक्षण के साथ ही बैठक लेकर समीक्षा भी करें। उन्होंने एमएमआर, आईएमआर तथा एएनसी की गहन मॉनीटरिंग के साथ ही सभी पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनवाने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में सब्जी उत्पादन, दुग्ध उत्पादन तथा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने कलस्टर विकसित किए जाने हेतु कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए डीपीएम एनआरएलएम तथा संबंधित जिला अधिकारियों को कार्य में तेजी लाते हुए निर्देशित

किया कि जिन हितग्राहियों के प्रकरण स्वीकृत हो गए हैं, उनमें राशि वितरण कराते हुए कार्य शीघ्र प्रारंभ किए गए। साथ ही संयुक्त रूप से भ्रमण करने के लिए भी कहा। उन्होंने उप संचालक कृषि को प्रति रविवार आयोजित होने वाले जैविक हट बाजार का विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।

शासकीय विद्यालयों का नियमित भ्रमण करें जिला अधिकारी : कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जिला अधिकारियों से शासकीय विद्यालयों के निरीक्षण की जानकारी लेते हुए कहा कि विद्यालयों का निरीक्षण नियमित रूप

से किया जाए। विद्यालयों के प्राचार्य तथा शिक्षकों से शैक्षणिक गुणवत्ता और परीक्षा परिणाम में वृद्धि हेतु संवाद करें और निरीक्षण के उपरांत शैक्षणिक गुणवत्ता, व्यवस्थाओं में आ रहे सुधार का भी अवलोकन करें।

सीएम हेल्पलाईन शिकायतकर्ताओं से मोबाईल पर किया संवाद : सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी जिला अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक शिकायतों का अंतिम निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन पोर्टल ओपन कराकर अधिकारियों द्वारा निराकरण

संबंधी कार्यवाही तथा दर्ज किए गए जवाब देखें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सिलवानी तहसील की देवरी मढ़िया निवासी श्री प्रदीप कुमार द्वारा दर्ज कराई गई सीएम हेल्पलाईन का अवलोकन कर शिकायकर्ता से मोबाईल पर संवाद किया।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा को प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्होंने कृषि भूमि के खसरे के अपडेट हेतु आवेदन दिया गया था, लेकिन आज दिनांक तक अपडेट नहीं किया गया है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सिलवानी एसडीएम को शीघ्र कार्यवाही करते हुए प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही लापरवाही बरतने वाले संबंधितों को कार्यणाली में सुधार लाने की हिदायत भी दी। इसी प्रकार शिकायतकर्ता शिवनाथराय से भी मोबाईल पर संवाद कर शिकायत की वस्तुस्थिति और संबंधित अधिकारी द्वारा बात या चर्चा किए जाने की जानकारी ली। शिवनाथराय द्वारा निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आवेदन देने के उपरांत भी आज दिनांक तक लाभ नहीं मिलने की जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री मनोज बॉथम को इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया।

दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए शासकीय कन्या महाविद्यालय की एनसीसी की दो छात्राओं का चयन

विदिशा (निप्र)। दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए राजमाला विजया राजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) महाविद्यालय विदिशा से एनसीसी कैडेट्स साजेंट दामिनी विश्वकर्मा और लांस कॉरपोरल सिमरन अहिरवार कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित हुई हैं। 14 एमपी बटालियन एनसीसी विदिशा के कामन अधिकारी कर्नल विकास गुप्ता शौर्य चक्र और प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सनी वैद्य के मार्गदर्शन और निर्देशन के साथ ही कैडेट्स की कठोर परिश्रम की वजह से उनका चयन कर्तव्य पथ और पीएम रैली दिल्ली गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है।

विदिशा जिले की 14 एमपी बटालियन एनसीसी विदिशा से 5 कैडेट चयनित हुए हैं, जिसमें से दो कैडेट शासकीय कन्या



अग्रणी महाविद्यालय विदिशा की है। दामिनी विश्वकर्मा बीसीएस तीृतीय वर्ष की छात्रा हैं, उनके पिता कृषक हैं और वह दीवानगंज के एक गांव अंबाडी से आती है, जबकि सिमरन अहिरवार बीए तीृतीय वर्ष की छात्रा हैं जो कि गांव नरखेडा ताल से हैं जो विदिशा जिले से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर है और उनके पिता भी कृषक हैं। सिमरन पोस्ट मेट्रिक छात्रावास विदिशा में रहकर अपनी पढ़ाई कर रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर बोडी अहिरवार और एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉक्टर विनीता प्रजापति ने बताया कि दामिनी और सिमरन लगातार ईमानदारी और पूर्ण निष्ठा से एनसीसी की सभी परेड और एंक्टिविटी में अपनी सहभागिता निभा रही थीं। उनकी इस लगन और किए गए कठोर परिश्रम से यह बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आयोजित

कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



सीहोर (निप्र)। उद्यम विभाग के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक कलेक्टर एवं बोर्ड अध्यक्ष श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बोर्ड के समस्त शासकीय एवं अशासकीय सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले में लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों के समग्र विकास को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक में कहा कि जिले में रूस्स्थ उद्योग रोजगार

सृजन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इनके समुचित संवर्धन हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने उद्योग क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों में पानी, सड़क, बिजली एवं मोबाइल नेटवर्क जैसी आवश्यक सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे। कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी उद्योग को विभागीय प्रक्रियाओं में कठिनाई आ रही है तो

उसका त्वरित निराकरण किया जाए, ताकि उद्यमियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। बैठक में मध्यप्रदेश रूस्थ विकास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, जिले में नए उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन, तथा संचालित उद्योगों की समस्याओं के समाधान जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की अनुरंध्राएं व्यवस्थित रूप से तैयार कर राज्य स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड को भेजी जाएं, जिससे जिले की औद्योगिक आवश्यकताओं को राज्य स्तर पर उचित समर्थन मिल सके।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विगत बैठक में दिए निर्देश एवं बिंदुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में यह भी बताया गया कि बोर्ड की बैठकों के माध्यम से उद्योगों से जुड़ी समस्याओं की नियमित समीक्षा की जाएगी और प्रत्येक तीन माह में बैठक आयोजित कर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले को औद्योगिक दृष्टि से सशक्त बनाने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। बैठक में उद्यम विभाग के महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय सदस्य, उद्योगों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।



सीएचसी पीपलखेड़ा में रोगी कल्याण सभा की साधारण बैठक आयोजित

विदिशा (निप्र)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पीपलखेड़ा में रोगी कल्याण सभा की साधारण सभा की बैठक आज शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक में स्वास्थ्य संस्थान में आने वाले हितग्राहियों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा भविष्य की कार्ययोजना तैयार की गई। विधायक श्री मीणा जी ने कहा कि रोगी कल्याण सभा का मुख्य उद्देश्य आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं

उपलब्ध कराना है। इसके लिए अस्पताल में स्वच्छता, दवाओं की उपलब्धता, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, जांच एवं उपचार सेवाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। बैठक में अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी जी, श्री शैलेन्द्र सिंह ठाकुर जी, बीएमओ विदिशा डॉ. विकास सिंह, सीईओ जनपद पंचायत विदिशा श्री गगन वाजपेई, तहसीलदार ग्रामीण विदिशा श्री ओम बाबू बघेल, डॉ. रोहित पुरोहित, श्री रामबाबू मीणा, जी ने कहा कि रोगी कल्याण सभा का मुख्य उद्देश्य आमजन को का स्टाफ उपस्थित रहा।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा एवं अन्य राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों में देरी आमजन को अनावश्यक परेशानी में डालती है, इसलिए पटवारियों से लेकर तहसीलदार स्तर तक जिम्मेदारी तय की जाए। बैठक में निर्माणधीन विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा के साथ-साथ गुणवत्ता भी सर्वोपरि है। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाई की जाएगी। खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने वन स्थापना अधिनियम, वन अधिकार पट्टे के लंबित प्रकरणों पर सभी एसडीएम और जनपद सीईओ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

